EARTH'S PHENOMENA. BUT GEOGRAPHY IS CONCERNED WITH EARTH MORE THAN ITS PHENOMENAS."

हम्बोल्ट के

अध्ययन विधि के प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

(i) इनकी अध्ययन विधि अनुभाविक थी। इनके अनुसार अध्ययन हेतु विषय का पूर्ण अवलोकन व परिक्षण आवश्यक है।
(ii) इन्होंने क्रमवद्ध अध्ययन को सही माना।
(iii) वनस्पतियों के अध्ययन में तुलनात्मक विधि अपनाई।
(iv) इन्होंने शुद्धता व सूक्ष्मता पर जोर दिया।
(v) इन्होंने अध्ययन में मानचित्रों व आरेखों को महत्व दिया।

रचनाएँ :- हम्बोल्ट ने विविध विषयों पर विद्वतापूर्ण रचनाएँ लिखी। इन्होंने अपने जीवनकाल में 40 ग्रन्थ लिखे। जिनमें से ASIA CENTRAL एवं COSMOS विश्व प्रसिद्ध हैं। इन्होंने मध्य एशिया में यूराल क्षेत्र की खोज का विशद वर्णन किया। इनकी रचनाओं में उल्लेखनीय बात यह थी कि अधिकांस कार्य स्वयं के अनुभव से प्रमाणिकृत रहे। हम्बोल्ट आधुनिक काल में हिरोडोटस की भाँति महान यात्री एवं अरस्तु की भाँति विलक्षण विद्वान हुए। इनकी अन्य कृतियों राइनलैंड वेसाल्ट एवं प्रकृति दिग्दर्शन हैं।

भौगोलिक संकल्पनाएँ :- हम्बोल्ट ने भूगोल के उद्देश्य, व उसमें विद्यमान दिशा निर्देशों की संवेदनशिलता को बहुत निकटता से सप्रमाण समझाया। हम्बोल्ट ने सदैव ही मानव व उसकी कृतियों को प्रकृति की उपज माना। इन्होंने भूगोल के क्षेत्र में सात संकल्पनाओं का प्रतिपादन किया, जिसके आधार पर बाद में भूगोल का विकास हुआ। इनका संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है—

(i) इन्होंने पृथ्वीतल का अध्ययन मानव के निवास स्थान के

Scanned with CamScanner

रूप में किया।

(ii) इनके अनुसार भूगोल विभिन्न क्षेत्रों की भिन्नताओं का सकारण अध्ययन करता है।

(iii) भूगोल पृथ्वी तल पर भौतिक व मानविय संबंधों का अध्ययन करता है

(iv) इन्होंने प्रकृति की एकता पर बल दिया।

(v) ये भौतिक भूगोल को ही सामन्य भूगोल मानते थे

(vi) भूगोल सांस्कृतिक दृष्य घटनाओं की ~~व्याख्या~~ समझ है।

(vii) यह संसार के स्थानिक वितरणों की विज्ञान है।

मूल्यांकन :- हम्बोल्ट के चिन्तन का स्थान रिटर के बाद आता है क्योंकि वे कार्यरत भूगोलवेत्ता नहीं थी। ये भूगोल के प्राध्यापक नहीं थे अत: इनके शिष्य भूगोलवेत्ता नहीं हुए। इनके चिंतण का प्रभाव इनके मित्रों तक ही सीमित रहा।

अपनी ज्ञान पिपासा तृप्त करने में इन्होंने अपने परिवार के अधिकांश धन एवं स्वयं के तन का बलिदान कर दिया। धन खर्च करने के कारण इन्हें 'जर्मनी का मारलेन्ड' कहा जाता है। अत: वास्तविकता में हम्बोल्ट एक विलक्षण प्रतिभा सम्पन्न वैज्ञानिक व भूगोलवेत्ता थे। हम्बोल्ट चिंतण में समय के आगे, लेखन में प्रतिभावान, और सही-सही पूर्वानुमान लगाने वाले थे। अत: संक्षेप में हम्बोल्ट अपने काल के अग्रणी विचारक रहे, जिन्होंने अन्य विद्वानों से हटकर एवं समय की सीमा लांघकर एक अग्रद्रष्टा की भांति भविष्य की ओर सही-सही दृष्टिपात किया इसी कारण इन्हें वर्तमान भूगोल का जनक (रिटर सहित) कहा जाता है।

Scanned with CamScanner